

भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 95] नई दिल्ली, सोमवार, फरवरी 14, 1972/माघ 25, 1893

No. 95] NEW DELHI, MONDAY, FEBRUARY 14, 1972/MAGHA 25, 1893

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT

ORDER

New Delhi, the 14th February 1972

S.O. 137(E)/15/IDRA/72(4).—Whereas the industrial undertaking as Messrs. Raymon Engineering Works, Limited, Calcutta, is engaged in the Scheduled Industry, namely, transportation industry;

And whereas it has come to the notice of the Central Government that the production of the articles manufactured in the said industrial undertaking had been gradually going down and the production has now come to a standstill consequent upon the closure of the said industrial undertaking by the management;

And whereas the Central Government is of opinion that it is expedient to take measures to remedy the situation arising out of the closure of the said industrial undertaking and to ensure that production in the scheduled industry does not suffer to the detriment of the public interest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 15 of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby appoints, for the purpose of making a full and complete investigation into the circumstances of the case, a body of persons consisting of:—

Chairman

Shri D. R. Kochar, Additional Director Standards (Mechanical), R.D.S.O., Calcutta.

Members

- 1 Shri A K Roy Choudhury, Deputy Financial Adviser, Metropolitan Transport Project, Calcutta
- 2 Shri H P Shabong, Deputy Secretary, Commerce and Industries Department, Government of West Bengal, Calcutta
3. Shri S Majumdar, Development Officer, Directorate General of Technical Development, Ministry of Industrial Development, New Delhi

2 The above body shall submit its report to the Central Government within a period of six weeks from the date of publication of this Order in the Official Gazette

[No F 25(23)/72-PEC.]

K S BHATNAGAR, Jt Secy

औद्योगिक विकास मन्त्रालय

आदेश

नई दिल्ली, 14 फरवरी, 1972

क्र० प्र० 137(प्र)/15 आई० डी० आर० ए०/72 (A)—यत मे० रेमन इंजीनियरिंग वर्क्स, लिमिटेड, कलकत्ता नामक औद्योगिक उपक्रम अनुसूचित उद्योग, अर्थात् परिवहन उद्योग मे सगा है,

और यत, केन्द्रीय सरकार की जानकारी मे यह आया है कि उक्त कारखाने मे विनिर्मित वस्तुओं के उत्पादन का परिणाम धीरे धीरे कम होता जा रहा है और प्रबंधमंडल द्वारा उक्त कारखाने को बन्द किय जाने के परिणामस्वरूप उत्पादन अब शून्य हो गया है।

और यत केन्द्रीय सरकार की राय है कि उक्त औद्योगिक उपक्रम के बंद होने से उत्पन्न स्थिति को सुधारने के लिए और यह सुनिश्चित करने के लिए अनुसूचित उद्योग का उत्पादन लोक हित पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले रूप में न बिगड़े, उपाय करना समीचीन है,

अतः, अब उद्योग (विकास तथा विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 15 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा इस मामले की परिस्थितियों से पूरी तरह से अन्वेषण करने के प्रयोजनार्थ एक निकाय नियुक्त करती है जिसमें निम्नलिखित व्यक्ति होंगे —

अध्यक्ष

श्री डी० आर० कोचर, अपरनिदेशक, मानक (यात्रिका) आर० डी० एस० ओ०, कलकत्ता

सदस्य

- 1 श्री ए० के० राय चौधरी, उप वित्तीय सलाहकार, मेट्रोपालिटन ट्राम्पोर्न प्रोजेक्ट कलकत्ता।

2. श्री एच० पी० शर्मा, उप सचिव, वाणिज्य तथा उद्योग विभाग, पश्चिमी बंगाल सरकार, कलकत्ता ।

3. श्री एस० मजूमदार, विकास अधिकारी, तकनीकी विकास का महानिदेशालय, औद्योगिक विकास विभाग, नई दिल्ली ।

2. उपरोक्त निकाय राजपत्र में इस आदेश के प्रकाशन की तारीख से छः महीने की अवधि के भीतर केन्द्रीय सरकार को अपनी रिपोर्ट पेश करेगा ।

[सं० फा० 25 (23)/72-पी० ई० सी०]

के० एस० भटनागर, संयुक्त सचिव ।

